स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक ३४० वि.सं. २०८३ असार २३ गते मंगर थारु सम्वत (२६४९) [Tuesday 07 July 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

घन्टौं लाइन बैठे पर्ना बाध्यता अन्त्य

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २२ असार । जिल्ला प्रशासन कार्यालय कैलालीसे गृह मन्त्रालयके एकद्वार सेवा प्रणालीसम्बन्धी निर्देशन कार्यान्वयन कैटी संरचना अनुसार छुट्टाछुट्टे सेवा प्रवाह करे लागल बा ।

सेवाग्राहीसे घन्टौं लाइन बैठे पर्ना, अक्के कामके लाग टमान शाखा जाइ पर्ना तथा भिडभाडके कारण सास्ती खेपे पर्ना समस्या समाधान करक लाग प्रशासनसे नागरिकमैत्री सेवा सुरु करल हो । उहीसे आघे कार्यालयमे नागरिकता, राष्ट्रिय परिचयपत्र, राहदानीलगायतके सेवा लेहे अउइया सेवाग्राही सकारेसे साँझसम पाला लागे पर्ना अवस्था रहल रहे ।

अक्के कागजातके लाग फेन टमान शाखामे जाइ पर्ना, आवश्यक जानकारी प्राप्त कैना कठिन हुइना तथा

भिडभाडके कारण समयमे काम पूरा नैहुइना समस्या सामान्य जस्टे बनल रहे। अब्बे भर अक्के कार्यालय परिसर भिट्टर नागरिकता, राष्ट्रिय परिचयपत्र, राहदानी तथा अन्य प्रशासनिक सेवाके लाग छुट्टाछुट्टे कक्षमे सेवा केन्द्र स्थापना करल बा ।

सेवाग्राहीसे खोजल सेवा सम्बन्धित अक्के कक्षसे पूरा हुइना व्यवस्था मिलाइल जिल्ला प्रशासन कार्यालय कैलालीके प्रमुख जिल्ला अधिकारी हिरालाल रेग्मी बटैलै ।

गृह मन्त्रालयसे जारी करल निर्देशन अनुसार देशभरके जिल्ला प्रशासन तथा इलाका प्रशासन कार्यालयमे सेवा प्रवाहहे प्रभावकारी, सहज ओ सेवाग्राहीमैत्री बनाइक लाग एकद्वार सेवा प्रणाली लागु कैना व्यवस्था करल रहे ।

अक्के कार्यालयसे सेवा डेहेबर भिड हुइना ओ सेवाग्राहीहे अलमल हुइना हुइल ओरसे नयाँ निर्देशन अनुसार नागरिकता, राहदानी, राष्ट्रिय परिचयपत्र अन्य सेवा छुट्टाछुट्टे सेवा कक्षसे उपलब्ध करैना व्यवस्था करल उहाँके कहाइ रहल बा ।

उहाँ सेवाग्राहीहे सहज, हाली ओ व्यवस्थित सेवा उपलब्ध करैना उद्देश्यसे संरचना अनुसार सेवा कक्ष, कर्मचारी व्यवस्थापन ओ सेवाग्राहीके गुनासो नैअइना मेरके काम कैना कर्मचारीहे निर्देशन डेहल बटैलै ।

नागरिकता, राष्ट्रिय परिचयपत्र, राहदानी तथा अन्य प्रशासनिक सेवाके लाग अलग अलग सेवा केन्द्र सञ्चालनमे लानल ओरसे सेवाग्राही आवश्यक सेवा अक्के स्थानसे सहज रूपमे प्राप्त करे सेक्ना व्यवस्था करल बा । नागरिकता शाखामे प्रशासकीय अधिकृत बैठके कम समयमे सेवा उपलब्ध (बाँकी ३ पेजमे)

मल अभावसे कृषक चिन्तित

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, २२ असार । धान लगैना समयमे रासायनिक मल नैपाके यहाँके कृषक चिन्तित हुइल बटै । धान लगाके सेकल यहाँके अधिकांश कृषक इ बेला रासायनिक मलके अभाव झेल्टी रहल हुइट ।

रासायनिक मल नैपाके लगाइल बाली नैसँप्रना कहटी यहाँके बेलौरी नगरपालिका–८, पचुईके कृषक गजेन्द्र चन्द चिन्तित बटै । चन्द ११ बिघा जमिनमे गन्ना खेती तथा एक बिघामे धान खेती करले बटै । गन्ना ओ धान खेतीके लाग बर्सेनि ४० बोरा डिएपी मल आवश्यक पर्ना मने इ बरस भर मल नैपाके लगानी खेर जैना कहटी उहाँ चिन्ता व्यक्त करलै ।

बेलौरीके कृषक किल नैहोके, पुनर्वासके कृषक फे नइ बरस रासायनिक मलके अभाव झेल्टी रहल बटै । पुनर्वास नगरपालिका–५, सिमरीके जयाराम राना १० बिघा जमिनमे गन्ना खेती ओ एक बिघामे धान खेती करले बटै । मने हालसम रासायनिक मल नैपाइल कहटी उहाँ चिन्ता व्यक्त करले बटै ।

उहे ठाउँके जानुमती राना दुई बिघा जमिनमे गन्ना खेती ओ १० कठठामे धान खेती करलेसे फेन रासायनिक मल नैपाइल कहटी मल उपलब्ध कराइक लाग सरकारसँग माग करलै । शुक्लाफाँटा नगरपालिका–१० के कृषक गोविन्दराज जोशी मलके लाग २० किलोमिटर डुर महेन्द्रनगरसम गैलेसे फेन एक कठठा डिएपी किल पाइल दुःखेसो पोख्लै ।

एकओर गन्ना खेती कैटी आइल कृषकहे अनुदानके मलके लाग कोटा नैछुट्याइबर पर्याप्त मल उपलब्ध करैना समस्या हुइल यहाँके पालिकासे जनैले बटै । बेलौरी नगरपालिकाके कृषि शाखा प्रमुख सुमनराज जोशी सरकारसे अनुदानके मल खाद्यबालीमे किल डेना करल *(बाँकी ३ पेजमे)*

ठक्कर डेहुइया पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २२ असार । कैलाली धनगढी उ.म.न.पा.३ बोराडाडी चोक स्थित धनगढीसे अत्तरिया ओर जैटी रहल यु.पी. ६५ ई.एक्स. ०१०० नम्बरके भारतिय कारसे उहे दिशा ओर जैटी रहल से ४ प ९५२ नम्बरके मोटरसाईकलहे पाछेसे ठक्कर डेहे मोटसाइकलपाछे बैठ्ठइयाके मृत्यु हुइल बा ।

मोटरसाइकल पाछे सवार जिल्ला बैतडी, सिगास गा.पा. १ बैठना बर्ष ४८ के पदम चन्द गम्भीर घाहिल हुके उपचारके लाग मायामेट्टो अस्पताल लैगिलमे उपचारके क्रममे अँटवार रात मृत्यु हुइल हो ।

मोटरसाइकल चालक धनगढी उ.म.न.पा.३ बोराडाडी बैठना बर्ष ४३ के गौतम ऐर सकुसल रहल बटै । गाडी ओ गाडी चालक देश भारत उत्तर प्रदेश वाराणसी बैठना बर्ष ४२ के अश्वनी कुमार सिंहहे प्रहरी नियन्त्रणमे लेके अनुसन्धान करटी रहल बा ।

लागुऔषध सहित पाँच जाने पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २२ असार । कैलाली दार्चुलासे अवैध लागु औषधसहित पाँच जाने पक्राउ परल बटै ।

कैलालीके जानकी गा.पा.४ मनुवासे अवैध लागुऔषध खैरो हेरोइन ६३० मिलिग्राम सहित ३ जनहनहे अँटवार दिनके प्रहरीसे पक्राउ करले बा । पक्राउ परुइयामे उहे ठाउँ बैठना बर्ष ४१ के रमेश कुमार रावत कठरिया, टिकापुर न.पा.४ बैठना बर्ष २४ के सोनु राजवंशी ओ जोशीपुर गा.पा.१ बैठना १८ बर्षिय किशोरी रहल बटै । इलाका प्रहरी (बाँकी ३ पेजमे)

छाडा पशु-चौपायाको संरक्षण गरौं

छाडा पशु-चौपायाका कारणले:

- ❖सडक दुर्घटनाको सम्भावना बढ्छ,
- ❖बाली तथा बोटविरुवामा क्षति पुग्छ,
- ❖मानिस र पशु दुबैको जीवन जोखिममा पर्छ,
- ❖जथाभावी फोहोरमैला विसर्जन हुँदा रोग फैलिन सक्छ,

त्यसैले,

- ❖पशु-चौपायालाई घरमा व्यवस्थित तरिकाले राखौं,
- ❖चरन क्षेत्रको व्यवस्थापन गरौं,
- ❖सडकछेउमा पशु-चौपाया नछाडौं/छाड्न नदिऔं,
- ❖छाडा पशु-चौपायाको नियन्त्रण गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

भूमि प्रशासन कार्यालय धनगढी, कैलालीबाट जारी भएको हकदावी सम्बन्धी

३५ दिने सार्वजनिक सूचना ।

जिल्ला कैलाली गौरीगंगा न.पा वडा नं.९ बस्ने रामकृष्णी चौधरीले मेरो बुवा कुदीराम ड थारुको मिति २०५७ सालमा गौरीगंगा न.पा वडा नं.९ स्थित मेरो घरमा मृत्यु भएको र आमा बन्धिया डगौरा थारुको मिति २०३५ सालमा साविक बसौटी गा.वि.स वडा नं ३ स्थित आफ्नै घरमा मृत्य भएको र निजहरुको शेषपछिको हकदार अशियारमा म सहित दुई जना दिदी बहिनी रामकृष्णी चौधरी र प्रेम लौटी चौधरी मात्र भएको र दाजु भाई तथा अन्य दिदी बहिनी कोही नभएकोमा बहिनी प्रेमलौटी चौधरीको मिति २०६३/१०/२९ गते र निजको पति चेतराम कड. थारुको निति २०६८/०५/२८ गते मृत्यु भएको हुँदा मृतक जग्गा धनि बुबाको हकदारमा म एक मात्र छोरी अंशियार भएको हुँदा मृतक ज.ध कुदिराम ड. थारुका नाममा दर्ता श्रेस्ता कायम भएका साविक बसौटी बडा नं ४ कि न. ७८१ हाल बसौटी वडा नं.३ सिट नं ०२७/११४४ कि न. ५३१ क्षेत्रफल ०३९० व.मी जग्गा मेरो नाममा नामसारी गरी पाउँ भनी निवेदन दिनु भएको हुँदा निवेदक बाहेक अन्य हकदार अंशियार भए वा निवेदकका नाउँमा नामसारी गर्नु नपर्ने कुनै कारण भए आफूसँग भएको सबुत, प्रमाण सहित सूचना प्रकाशित भएको मितिले ३५ दिन भित्र यस कार्यालयमा उपस्थित भै हकदावी गर्नु होला । म्याद भित्र दाबी नगरी म्याद गुजारी बसेमा नियमानुसार भइ जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागी यो सार्वजनिक सूचना जारी गरिएको छ ।

इति सम्वत २०८३ साल असार १८ गते ५ मा शुभम्

सिनियर न्यूरोलोजिष्टद्वारा

NISARGA Hospital & Research Center Pvt. Ltd.

प्यारालाईसिस, मृगी र टाउको सम्बन्धी समस्याको उपचार

चेक जाँच / उपचार हुने समस्याहरु

- ✔ प्यारालाईसिस भएका बिरामी
- ✔ हात खुट्टा काप्ने वा झमझम गर्ने
- ✔ मृगी छारे रोगको समस्या भएका बिरामी
- ✔ टाउको दुख्ने समस्या भएका बिरामी
- ✔ Parkinson रोग वा Movement Disorder
- ✔ चक्कर लाग्ने समस्या
- ✔ बिर्सिने समस्या

डा. जितेन्द्र प्रसाद यादव
MBBS, MD (Neurology)
National Trauma Center (NAMS)
FICN (Grande Int. Hospital)
NMC No.: 8029

डाक्टर आउने मिति : असार २६ र २७ गते

परामर्शका लागि:
०९१-५२७००/०१/०२ | ९८६५६८०१००

हसनपुर, धनगढी-५, कैलाली
nisargahospitaldgd@gmail.com
www.nisargahospitalnepal.com

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

गोरखापत्रके महाप्रबन्धक रावलसे पदबहाली

पहुरा समाचारदाता
काठमाडौं, २२ असार । गोरखापत्र संस्थानके महाप्रबन्धक हिक्मतबहादुर रावल पदबहाली करले बटै । असार १८ गतेके मन्त्रीपरिषद बैठकसे संस्थान महाप्रबन्धकमे नियुक्त हुइल उहाँ संस्थान कार्यालयमे सोम्मारके पदबहाली करल हुइट ।

उहे अवसरमे महाप्रबन्धक रावल गोरखापत्र नेपाली पत्रकारिताके गौरव ओ इतिहास रहल यकर विश्वसनीयताहे थप गर्विलो पर्ना मेरके अपने काम कैना प्रतिबद्धता जनैलै । "गोरखापत्र संस्थानहे सुदृढ बनैना मेरके स्पष्ट योजना ओ म्यान्डेटसाथ आइल बटु, ऐन नियमके परिधिभिट्टर रहीके इहीहे थप आत्मनिर्भर बनैना मेरके काम करम" उहाँ कहलै ।

काल्ह हुइल कामके समीक्षा कैके गोरखापत्र संस्थानके डिजिटल ओ आर्थिक रुपान्तरणमे केन्द्रित रहीके काम करे पर्ना बा । अपने पत्रकार, कर्मचारी सबके साथ ओ सहयोग लेके यकर उन्नयनमे लागम, उहाँ कहलै, "सक्कु जाने मिलके इ संस्थानहे आउर गर्विलो बनाब । जहाँ समस्या बा, ओहैं समाधान खोजब ।"

गोरखापत्र परम्परागत रुपमे चलल् चर्चा कैटी उहाँ नयाँ सोच ओ शैलीसाथ यकर रुपान्तरणके खाँचो रहल बटैलै । सरकारके स्पिरिट फेन देशके रुपान्तरण कैना हुइल ओरसे उहे स्पिरिट साथ काम कैना उहाँके कहाइ रहल बा । "संस्थान सुधार कैना छुट सक्कु जनहनहे बा, मने बिगर्ना छुट कुहीहे नैहो" कहटी महाप्रबन्धक रावल कहलै, "उत्साहित होके पारदर्शी ढङ्गसे काम करी, संस्थानके रुपान्तरण हुइ । इहीहे बनैना हम्रे सक्कु जाने हुइटी ।"

गोरखापत्र संस्थानमे काम करुइया पत्रकार तथा कर्मचारीके सोच शैली ओ प्रकाशन कन्टेन्ट्समे सुधार नैकरटसम अन्य सुधार हुइ नैसेक्ना महाप्रबन्धक रावल कहलै । संस्थानहे मजा कैसिक बनैना विषयमे आपनहे सुझाव डेना कर्मचारीहे आग्रह कैटी उहाँ व्यक्तिगत काम ओ गन्थनमन्थन लेके नैअइना आग्रह करल रहिट । गोरखापत्रके कामहे डिजिटल रुपान्तरण कैना मेरके अपने काम कैना उहाँ प्रष्ट पारल रहिट । आपनहे विश्वास कैके चार बरसके लाग संस्थानके महाप्रबन्धकके जिम्मेवारी सुम्पलमे सरकारहे उहाँ धन्यवाद व्यक्त करल रहिट ।

महाप्रबन्धक रावलहे संस्थानके निमित्त प्रमुख उमेशकुमार ओझा, सञ्चालक समिति सदस्य लक्की चौधरी, गोरखापत्रके प्रधान सम्पादक जुनार बस्नेत, दि राइजिङ नेपालके निमित्त प्रधान सम्पादक रमेश लम्साल, प्रशासन निर्देशक ताराबहादुर बस्याल, उत्पादन निर्देशक ओमप्रकाश भुषाल लगायत संस्थानमे स्वागत करल रहिट ।

पदबहालीके क्रममे निमित्त संस्थान प्रमुख ओझा अपने वैशाख ३१ से असार २१ गतेसम निमित्त प्रमुख होके काम कैना अवसर पाइलमे सरकारहे धन्यवाद व्यक्त कैटी उ अवधिमे सहयोग कैना संस्थानके कर्मचारी तथा पत्रकार सक्कु जनहनहे धन्यवाद व्यक्त करल रहिट ।

महाप्रबन्धक रावल पदबहालीके क्रममे सुरुमे संस्थान प्राङ्गणमे रहल जयपृथ्वीबहादुर सिंहके शालीकमे मल्यार्पण करल रहिट । पदबहालीपाछे उहाँ गोरखापत्र संस्थानके टमान विभाग, संस्थानके मेशिन तथा उत्पादन कक्षके अवलोकन करल रहिट । उ अवधिमे निमित्त संस्थान प्रमुख उमेशकुमार ओझा तथा प्रशासन निर्देशक ताराबहादुर बस्याल ब्रिफिङ करल रहिट ।

गन्यापधुरा गाउँपालिका -२, डडेल्धुरामे २०३६ भदौ १० गते जन्मल रावल पत्रकारिता ओ समाजशास्त्रमे स्नातकोत्तर हुइट । करिब २५ बरससे पत्रकारिता क्षेत्रमे सक्रिय रहल महाप्रबन्धक रावल पाछेक समय बिबिसी नेपाली सेवा सुदूरपश्चिममे कार्यरत रहिट ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ३ स्थित कित्ता नं. ३१० क्षेत्रफल १६९.३१ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री लोकेन्द्रबहादुर बोहराले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिंदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: अकबर बोहरा	पश्चिम: लक्ष्मी अवस्थी
उत्तर: विजय अवस्थी, दिपेश चटौत	दक्षिण: सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

"लैङ्गिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार"

शासकीय यात्रामे डिजिटल फड्को

डिजिटल शासन केवल सूचना तथा सञ्चार प्रविधिके प्रयोग वा विद्युतीय उपकरणके सञ्चालन किल नाइहो, यी २१ औं शताब्दीके शासकीय मूल्य पद्धतिमे आइल एक आमूल परिवर्तन हो । परम्परागत ढड्डा ओ फाइलमे आधारित प्रशासनिक संस्कृतिसे सिफ्ट होके प्रविधिमे आधारित 'स्मार्ट गभर्नेन्स' ओरके यात्रा डिजिटल शासन हो । यिहिनसे सरकार ओ नागरिकबिचके सम्बन्धहे थप सुदृढ, प्रत्यक्ष ओ विश्वासिलो बनाइठ ।

डिजिटल शासनके मूल मन्त्र 'डेडलाइन' से 'डेलिभरी' मे ध्यान केन्द्रित करना हो । यिहिनसे प्रक्रियासे नतिजाहे महत्व डेटि सेवा प्रवाहहे हलि, छरितो ओ परिणाममुखी बनैना टाइम बाउन्ड सेवा प्रवाह सुनिश्चित करठ । यकर औरे सबल पक्ष एक विवरण, एक चो किल बुझैना सिद्धान्त हो । अइसिन हुइलसे नागरिकहे व्यक्तिगत विवरण कैचो पेस करेपरना झन्झटसे मुक्ति डेटि सरकारी प्रणालीहे एकीकृत ओ अन्तरआबद्ध बनाइठ । सेवाग्राहीसे कार्यालय धाइपरना, भिडभाडमे घन्टौं कुरेपरना ओ बिचौलियाके खोजी करेपरना बाध्यात्मक अवस्था अन्त्य करटि प्रविधिके माध्यमसे घरमे बसी सेवा प्राप्त करे सेक्ना 'फेसलेस' ओ 'पेपरलेस' प्रशासनके वातावरण सिर्जना करना डिजिटल शासनके वास्तविक सफलता हो ।

डिजिटल शासनसे पारदर्शिता ओ जवाफदेहिताहे नयाँ उचाइमे पुगाइठ । प्रणालीमे प्रत्येक फाइल ओ निर्णयके 'डिजिटल फुटप्रिन्ट' रहिके प्रशासनिक कामकारबाहीमे हुइना ढिलासुस्ती ओ अनधिकृत हस्तक्षेप स्वत: नियन्त्रणमे आइठ । केकरसँग, कहाँ, कौन टेबलमे ओ कत्रा समय फाइल रोकि कना बाट 'रियल टाइम' मे ट्र्याकिङ करे सेक्जाइ । सूचनाहे सम्पत्तिके रूपमे प्रयोग करटि टमान मन्त्रालयके डेटाहे एकीकृत कैके नीति निर्माण करटि सरकार थप सटिक, वस्तुनिष्ठ ओ प्रमाणमे आधारित निर्णय लेना सक्षम रहठ । यकर मानवीय पक्ष कलेक समावेशिता ओ नागरिक सशक्तीकरण हो, जहाँ प्रविधिमार्फत सेवाहे गाउँ गाउँसम पुगैना, दुर्गमके नागरिकहे अपन मोबाइलसे सेवा उपलब्ध करैना ओ अपांगतामैत्री वेबसाइट तथा पोर्टलमार्फत सबके पहुँच सुनिश्चित करना हो ।

डिजिटल शासनसे राज्यके स्रोतसाधनके अधिकतम प्रयोग करटि नागरिकके सन्तुष्टिहे प्रशासनिक सफलताके मानक बनैना आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण बोकल रहठ । 'सरकार' से 'सेवा' के अवधारणाहे प्रवर्धन करटि सार्वजनिक प्रशासनहे थप चलायमान, आधुनिक ओ नागरिकमैत्री बनैना यकर मुख्य लक्ष्य हो ।

डिजिटल शासनके पहलकदमी

नेपाल कुछ वर्षयहोर सार्वजनिक प्रशासनके आधुनिकीकरणमे भारी फड्को मरले बा । परम्परागत ढड्डा ओ कागजी प्रक्रियामे आधारित प्रशासनिक संस्कृतिहे डिजिटल रूपान्तरण करना सरकारसे चरणबद्ध रूपमे महत्वपूर्ण प्रयास करटि आइल बा ।

विशेष कैके राष्ट्रिय परिचयपत्र, नागरिक एप ओ टमान अनलाइन सेवा प्रवाह प्रणालीके विकाससे नेपालके शासकीय यात्रामे नयाँ आयाम थपल बा । एकीकृत कार्यालय व्यवस्थापन प्रणाली (जिआइओएमएस) के प्रयोग, डिजिटल हस्ताक्षरके अवधारणा ओ सरकारी निकायके वेबसाइटहे अपांगतामैत्री बनैना जैसिन कार्यसे डिजिटल शासनके जगहे बलगर बनाइल बा । यिहे शासकीय आधारशिलाहे थप गति डेटि सरकारसे हाल आघे सारल सयदिने, सयबुँदे शासकीय सुधार कार्ययोजना डिजिटल सुशासनके दिशामे एक ऐतिहासिक कोसेढुंगा साबित हुइल बा । यी कार्ययोजना सार्वजनिक सेवा प्रवाहमे विद्यमान दोहोरोपन, ढिलासुस्ती ओ पारदर्शिताके अभावहे हटैटि प्रशासनिक कार्यक्षमतामे गुणात्मक सुधार नन्ना उद्देश्यसाथ कार्यान्वयनमे आइल बा ।

सरकार नागरिकहे एक कार्यालयसे सब सेवा उपलब्ध करैना उद्देश्यसे एकद्वार सेवा प्रवाह प्रणाली (ओएसएसडी) के विकास करल बा । टमान सिफारिस, व्यवसाय दर्ता ओ भुक्तानी जस्टे सेवाहे एक छाताटरे नन्ना सेवा प्रवाहमे आइल भारी फड्को हो । कर्मचारी प्रशासनहे थप

> डिजिटल शासनके मूल मन्त्र 'डेडलाइन' से 'डेलिभरी' मे ध्यान केन्द्रित करना हो । यिहिनसे प्रक्रियासे नतिजाहे महत्व डेटि सेवा प्रवाहहे हलि, छरितो ओ परिणाममुखी बनैना टाइम बाउन्ड सेवा प्रवाह सुनिश्चित करठ । यकर औरे सबल पक्ष एक विवरण, एक चो किल बुझैना सिद्धान्त हो । अइसिन हुइलसे नागरिकहे व्यक्तिगत विवरण कैचो पेस करेपरना झन्झटसे मुक्ति डेटि सरकारी प्रणालीहे एकीकृत ओ अन्तरआबद्ध बनाइठ । सेवाग्राहीसे कार्यालय धाइपरना, भिडभाडमे घन्टौं कुरेपरना ओ बिचौलियाके खोजी करेपरना बाध्यात्मक अवस्था अन्त्य करटि प्रविधिके माध्यमसे घरमे बसी सेवा प्राप्त करे सेक्ना 'फेसलेस' ओ 'पेपरलेस' प्रशासनके वातावरण सिर्जना करना डिजिटल शासनके वास्तविक सफलता हो ।

व्यवस्थित बनैना कर्मचारी व्यवस्थापन सूचना प्रणालीके आर्किटेक्चर तयार करल बा, यिहिनसे कर्मचारीके नियुक्तिसे अवकाशसमके प्रक्रियाहे पूर्णत: स्वचालित ओ अनुमानयोग्य बनाइल बा । स्वास्थ्यक्षेत्रमे पारदर्शिता ओ लक्षित वर्गके पहुँच सुनिश्चित करना फ्री हेल्थ पोर्टल विकास कैके सरकारी तथा निजी अस्पतालमे १० प्रतिशत नि:शुल्क शैय्याके व्यवस्थाहे रियल टाइम अनुगमन करना प्रणाली लागु करल बा ।

सार्वजनिक खरिद प्रक्रियाहे पारदर्शी ओ ट्र्याकिङयोग्य बनैना 'इजिपी' प्रणालीके सुदृढीकरण तथा 'ई मार्केटपेलेस' के अवधारणाहे प्राथमिकतासाथ आघे बह्रल बा । वित्तीय पारदर्शिता कायम करना ओ सम्पत्ति शुद्धीकरण नियन्त्रण करना 'इन्टिग्रेटेड डिजिटल एसेट रजिस्ट्ररी' के स्थापना तथा शंकास्पद कारोबारके स्वचालित पहिचानके लाग 'रिस्क बेस्ड रेड फ्ल्याग' प्रणाली लागु करना प्रक्रियासे गति लेहल बा । हुलाकसेवाहे आधुनिकीकरण करटि 'गभर्मेन्ट कुरियर सर्भिस' के रूपमे विकसित कैके राहदानी, नागरिकता ओ लाइसेन्स जस्टे महत्वपूर्ण सरकारी कागजात नागरिकके घरदैलोमे पुगैना व्यवस्थासे सेवा प्रवाहमे नागरिकके सन्तुष्टिहे उच्च प्राथमिकता डेहल बा । हाल ७५ जिल्लामे यी सेवा विस्तार हुइल बा ।

अन्तर्राष्ट्रिय असल अभ्यास

विश्वके विकसित राष्ट्रमे डिजिटल गभर्नेन्सहे नागरिकके आधारभूत अधिकारके रूपमे हेरना करल बा ओ यी क्षेत्रमे इस्टोनियाके अभ्यास विश्वभरके लाग नमुना उदाहरण मानजाइठ । इस्टोनिया अपन 'एक्स रोड' प्रणालीमार्फत देशके सब सरकारी ओ निजी क्षेत्रके डेटाबेसहे अन्तरआबद्ध करल बा । वहाँक नागरिक अपन वैयक्तिक विवरण सरकारहे कैचो डेहे नैपरठ । एक चो प्रणालीमे अपन प्रविष्ट हुइल विवरणहे अन्य सेवाके लाग स्वत: उपयोग करजाइठ । इस्टोनियाके 'ओन्स ओन्ली' सिद्धान्तके सफल कार्यान्वयनसे वहाँक प्रशासनिक प्रक्रियाहे विश्वके सबसे हलि ओ मितव्ययी बनाइल बा । सिंगापुरके 'स्मार्ट नेसन' पहल डिजिटल शासनके औरे उत्कृष्ट नमुना हो । वहाँक नागरिक अपन 'साइनपास' के प्रयोगसे कर प्रणालीसे स्वास्थ्य ओ शिक्षाके सक्कु सरकारी सेवा एकीकृत रूपमे एक प्लेटफर्मसे उपभोग करे सेकठ । दक्षिण कोरियाके अनुभव फेन नेपालहे डिजिटल शासकीय यात्रामे ढेर सिखाइठ । कोरियाले 'ई गभर्मेन्ट' मे हासिल करल सफलताके मुख्य श्रेय वहाँक बलगर डिजिटल पूर्वाधार ओ 'खुला डेटा' नीतिहे जाइठ । यहाँक सरकारी निर्णय प्रक्रिया पारदर्शी हुइनाके साथे निजी क्षेत्र फेन सरकारी डेटाके प्रयोग कैके नयाँ प्रविधि ओ सेवा विकास करे पाइल बा । यी देशके अभ्याससे का स्पष्ट पारठ कलेसे डिजिटल शासन कलेक केवल सफ्टवेयर वा वेबसाइट बनैना किल उपलब्धि नाइहो बरु यकर लाग बलगर नीतिगत आधार, एकीकृत इन्टरप्राइज आर्किटेक्चर ओ सेवाहे नियमन करना स्वतन्त्र निकायके ओत्रे भूमिका रहठ । नेपाल हाल आघे सारल नेसनल इन्टरप्राइज आर्किटेक्चर ओ स्वतन्त्र नियामक निकाय स्थापनाके अवधारणा वास्तवमे यिहे अन्तर्राष्ट्रिय असल अभ्यासके सफल सिको हो ।

डेखाइल समस्या ओ चुनौती

डिजिटल शासनके यी महत्वाकांक्षी यात्रामे नेपाल कुछ संरचनात्मक, प्राविधिक ओ व्यावहारिक व्यवधानके सामना करल बा । अइसिन व्यवधानके सम्बोधन करना आगामी दिनके प्रमुख प्राथमिकता हो । नेपालके विषम भौगोलिक विविधता ओ पूर्वाधारके असमान वितरण डिजिटल सेवा प्रवाहके मार्गमे पहिल ओ मुख्य चुनौती बनल बा ।

टमान दुर्गम स्थानीय तहमे अभिन फेन गुणस्तरीय इन्टरनेटके पहुँच ओ स्थिर विद्युतीय पूर्वाधारके अभाव बा । यी विषय डिजिटल सेवाहे सब नागरिकके पहुँचमे पुगैना सरकारी लक्ष्यमे बाधक खडा करल बा । सूचना प्रविधिमे आधारित प्रणालीके व्यवस्थापनके लाग आवश्यक भण्डारण क्षमताके अपर्याप्तता ओ दक्ष प्राविधिक जनशक्तिके खडेरीसे सरकारी सेवाके स्तरोन्नतिमे चुनौती थपल बा ।

प्रणालीगत तहमे हेरलेसे, टमान मन्त्रालय ओ विभागके सूचना प्रणालीबिचके 'अन्तरआबद्धता' के अभाव औरे जटिल पाटो हो । प्रत्येक सरकारी निकाय अपन शैलीमे सफ्टवेयर ओ प्रणाली विकास कैके ओकर बिचमे डेटा आदानप्रदान (एपिआई इन्टिग्रेसन) करना कठिन हुइल बा । उहिनसे एकीकृत सेवा प्रवाह करना सरकारके परिकल्पनामे एकलकाँटे प्रवृत्तिके असर डेखाइ लागल बा । यी क्षेत्रहे नियमन करना कानुनी संरचनाके पूर्णतामे हुइटिरहल विलम्बसे फेन थप जटिलता जन्मल बा । डिजिटल गभर्नेन्स ओ व्यक्तिगत डेटा संरक्षणसम्बन्धी कानुनके तर्जुमा अन्तिम चरणमे रलेसे फेन पूर्ण कार्यान्वयन ओ व्यापक कानुनी ढाँचाके अभावसे डिजिटल अधिकार ओ गोपनीयताके सुरक्षामे स्पष्टताके खाँचो महसुस हुइटि बा ।

विचार
मोतीराम भुसाल

डिजिटलाइजेसनके बह्रल क्रमसँगे साइबर सुरक्षाके जोखिम फेन ओत्रे बह्रल बा । संवेदनशील सरकारी डेटाके सुरक्षा, प्रणालीके जोखिम ओ नियमित सुरक्षा अडिट अब्बेक अपरिहार्य आवश्यकता हो, ओम्ने थप लगानी ओ सतर्कता जरुरी बा । औरेओर प्रविधिहे अपनैना सम्बन्धमे कर्मचारीतन्त्रमे डेखाइल परम्परागत मानसिकता ओ परिवर्तनहे सहज रूपमे स्वीकार करना हिचकिचाहट जटिल चुनौती हो । कागजमे आधारित प्रशासनिक कार्यशैलीमे अभ्यस्त जनशक्तिहे प्रविधिमैत्री कार्यसंस्कृतिमे पूर्ण रूपमे ढल्ना ओ उहाँहुकनमे प्रणालीगत परिवर्तनप्रतिके अपनत्व जगैना चुनौतीपूर्ण बा ।

आगामी कदम ओ कार्यदिशा

नेपालके डिजिटल शासकीय यात्राहे दिगो, समावेशी ओ प्रभावकारी बनैना आबके मार्गचित्र सेवा विस्तार, एकीकरण ओ सुदृढीकरणमा केन्द्रित हुइ परठ । पहिल, प्राविधिक ओ पूर्वाधारजन्य समस्याहे विशिष्ट, मापनयोग्य, प्राप्तयोग्य, सान्दर्भिक ओ समयबद्ध तवरसे सम्बोधन करना अपरिहार्य बा । हाल परीक्षण करल एकद्वार सेवा प्रवाह प्रणाली (ओएसएसडी) ओ नि:शुल्क स्वास्थ्य पोर्टल जस्टे सफल प्रयोगहे सफ्टवेयर सेवा 'सास' मोडेलमे रूपान्तरण कैके आगामी एक वर्षभित्रे देशभरके सब ७५३ स्थानीय तह ओ अस्पतालमे तीव्रतासाथ विस्तार करना पहिल प्राथमिकता हुइ परठ ।

दोसर, प्रणालीगत एकीकरणके लाग इस्टोनियाके 'एक्स रोड' प्रणालीके असल अभ्यासहे अनुसरण करटि, आगामी दुई आर्थिक वर्षभित्रे एक बलगर 'राष्ट्रिय एकीकृत डिजिटल शासन मञ्च' स्थापना कैके सब सरकारी निकायके तथ्यांकहे अन्तरआबद्ध करे परठ । यिहिनसे 'एक विवरण एक चो किल' सिद्धान्तहे पूर्ण रूपमे कार्यान्वयन करटि सूचनाके खण्डीकरणके समस्याहे एकडमके लाग अन्त्य करल बा । तेसर, कानुनी शून्यताहे हटैना ओ डिजिटल सुशासनके जगहे वैधानिकता डेना सूचना प्रविधि तथा विद्युतीय शासन विधेयक ओ व्यक्तिगत डेटा संरक्षणसम्बन्धी कानुनहे आगामी छ महिनाभित्रे संसद्से पारित करैना अपरिहार्य बा ।

चौठा, साइबर सुरक्षाहे सरकारी कार्यसम्पादनके अभिन्न अंग बनैटि आगामी एक वर्षभित्रे सरकारी निकायमे 'जेरो टस्ट् आर्किटेक्चर' मे आधारित सुरक्षा प्रणाली ओ नियमित प्रणालीके कमजोरी पहिचान ओ सुरक्षा अडिटके व्यवस्था अनिवार्य करे परल । पाँचौं, प्रविधिमैत्री कार्यसंस्कृति निर्माण करना परिवर्तन व्यवस्थापन ओ क्षमता विकास कार्यक्रमहे उच्च प्राथमिकतामे ढरे परल । आगामी दुई वर्षभित्रे सक्कु निजामती कर्मचारीके लाग डिजिटल साक्षरता, प्रविधि व्यवस्थापन ओ प्रशिक्षक प्रशिक्षण तथा डिजिटल अडिट तालिमहे अनिवार्य करटि यिहिनहे बढुवा ओ वृत्ति विकाससँग आबद्ध करे परल ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८,
९८१४६०८०५६,
९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

मधेशमे ८५ प्रतिशत धान रोपाइँ बाँकी

पहुरा समाचारदाता

राजविराज, २२ असार । मधेश प्रदेशमे धान रोपाइँसे अपेक्षित गति लेहे नैसेक्के यी वर्षके धान उत्पादन लक्ष्य प्रभावित हुइना संकेत डेखाइल बा ।

कृषि विकास निर्देशनालय, मधेश प्रदेशसे सार्वजनिक करल पाछेक साप्ताहिक विवरणअनुसार प्रदेशमे हालसम १४ दशमलव ७३ प्रतिशत धान रोपाइँ किल सम्पन्न हुइल बा कलेसे ८५ दशमलव २७ प्रतिशत रोपाइँ अभिन बाँकी बा । पर्याप्त वर्षा नैहोके, सिँचाइके सीमित पहुँच ओ रासायनिक मलखादके अभावके कारण किसानसे रोपाइँहे तीव्रता डेहे नैसेकल हो ।

निर्देशनालयके बागवानी विकास अधिकृत किरण विश्वकर्माके अनुसार यी वर्ष प्रदेशके आठ जिल्लामे तीन लाख ८५ हजार ९३३ हेक्टर क्षेत्रफलमे धान लगैना लक्ष्य निर्धारण करल बा । हालसम ५९ हजार ८९५ दशमलव ०६ हेक्टर क्षेत्रफलमे किल रोपाइँ सम्पन्न हुइल बा ।

जिल्लागत विवरणअनुसार सिरहामे २५, सप्तरीमे २४, धनुषामे १५, बारामे १३, महोत्तरीमे १२ दशमलव ३७, पर्सामे १२, रौतहटमे ८ दशमलव ५ ओ सर्लाहीमे सबसे कम ८ प्रतिशत किल रोपाइँ सम्पन्न हुइल बा । यिहिनसे मधेश प्रदेशके अधिकांश जिल्लामे धान रोपाइँके मुख्य काम अभिन हुइना बाँकी रहल देखाइठ ।

सप्तरीके राजविराज-९ के किसान प्रदीपकुमार यादव समयमे पर्याप्त वर्षा नैहोके खेतमे आवश्यक चिस्यान नैजमल ओ मलके अभावसे रोपाइँ प्रभावित हुइल बटैलैं । “बीउ तयार बा, खेत फेन जोटल बा मने डीएपी ओ युरिया सहज रूपमे नैमिलठ । कहुँ मिल्लेसे फेन सीमित मात्रामे डेना करल बा,” उहाँ कलैं ।

अस्टेक, सप्तरीके रुपनी गाउँपालिका-२ के किसान वीरेन्द्र यादवसे सरकारी बिक्री केन्द्रमे कैचो गैलेसे फेन आवश्यक मल प्राप्त करे नैसेकल गुनासो करलैं । दुई बिघा धान खेती करना उहाँ वडा कार्यालयके सिफारिसमे जम्मा १० किलो डीएपी मल पाइल बटैलैं । यादव कलैं, “चालीस कट्ठा खेतमे १० किलो डीएपी कैसिक पुगि ? धान लगैना बेला मल नैपाइलपाछे खेती प्रभावित हुइठ । निजी पसनमे खोज्के महँगा मूल्य तिरेपरठ ।”

कृषि विज्ञ अनुपलाल साहके अनुसार धान रोपाइँ ढिल होके उत्पादन घट्न, बोटके वृद्धि कमजोर हुइना तथा रोगकीराके जोखिम बहना सम्भावना रहठ । अस्टेक असार महिनाभित्रे रोपाइँ सम्पन्न करना पर्याप्त वर्षासँगे मलखादके सहज आपूर्ति अनिवार्य मानजाइठ । मधेश प्रदेशमे धान मुख्य खाद्यान्न बाली ओ अधिकांश किसानके आयआर्जनके प्रमुख आधार हो । मने प्रत्येक वर्ष धान रोपाइँके समयमे डेखैना रासायनिक मलके अभावसे किसान दोहोरो मारमे परना करल बा ।

यी वर्ष फेन डीएपी, युरिया ओ पोटासके आपूर्ति सहज हुइ नैसेक्के किसानसे समयमा रोपाइँ करना कठिनाइ भोगल बा । बागवानी विकास अधिकृत विश्वकर्मा आगामी कुछ दिनमे पर्याप्त वर्षा हुइल रोपाइँसे तीव्रता लेहे सेक्न अपेक्षा करल बटैलैं । मने ओकर लाग कृषि सामग्री कम्पनी लिमिटेड ओ साल्ट ट्रेडिङ कर्पोरेसन लिमिटेडमार्फत रासायनिक मलके नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करना आवश्यक रहल सरोकारवालाके कहाइ बा ।

धान रोपाइँके मुख्य सिजनमे प्रदेशके ८५ प्रतिशतसे ढेर क्षेत्र अभिन बाँकी रहिके कृषि व्यवस्थापनमे चुनौती देखाइल बा । मनसुनी वर्षा अनुकूल रले फेन मलखाद वितरण प्रणाली प्रभावकारी बनाइ नैसेक्ना उत्पादन लक्ष्य हासिल करना कठिन हुइना डेखाइठ ।

कृषि उत्पादन बह्दैना सरकारी लक्ष्य सफल बनैना तत्काल मलके उपलब्धता, सिँचाइ व्यवस्थापन तथा किसानहे आवश्यक प्राविधिक सहजीकरणमे विशेष ध्यान डेहेपरना आवश्यकता डेखाइल बा ।

लागुऔषध...

कार्यालय टिकापुर, कैलालीसे खटल प्रहरीसे रमेश कुमार रावत कठरियाके घर-कोठामे लागुऔषध सेवन करटी रहल अवस्थामे खानतलासी करेबेर उ पदार्थ फेला पारके उ पदार्थ सहित तिनु जनहनहे पक्राउ करल हो ।

ओस्टे कैलाली धनगढी उ.म.न.पा.२ त्रिनगर ब्यारेलसे अवैध लागुऔषध गाजाँ ३ ग्राम २० मिलिग्राम सहित उहे उ.म.न.पा.३ बैठना बर्ष २४ के महेश चौधरीहे अँटवार रात प्रहरी पक्राउ करले बा। प्रहरी चौकी त्रिनगर , कैलालीसे खटल प्रहरीसे शंका लागके चेकजाँच करेबेर उ पदार्थ सहिहत पक्राउ करल हो ।

ओस्टेक करके दार्चुला महाकाली न.पा.४ पुलघाटसे अवैध लागुऔषधचर`श ८ ग्रामसहित नौगाड गा.पा. ४ घर हुके हाल महाकाली न.पा.४ मोहती बैठना बर्ष २० के सुरज ठगुन्नाहे अँटवार दुपहर प्रहरी पक्राउ करले बा । अस्थायी प्रहरी पोष्ट पुलघाट, दार्चुलासे खटल प्रहरी भारतसे नेपाल ओर अइटी करल अवस्थामे शंका लागके चेकजाँच करेबेर उ पदार्थ फेला पारके उहाँहे पक्राउ करल हो । यी सम्बन्धमे प्रहरी आवश्यक अनुसन्धान करटी रहल बा ।

हुथी विद्रोहीके आक्रमणमे १४ यमनी सैनिकके मृत्यु

पहुरा समाचारदाता

sf7df8f}+ @@c;f/ . यमनके इरान समर्थित हुथी विद्रोही लाल सागर (रेड सी)के तटीय क्षेत्रमे रहल होडैडा बन्दरगाह लग्गे करल आक्रमणमे १४ सैनिक मरल बटैं ।

अन्तर्राष्ट्रिय मान्यता प्राप्त सरकारसँग निकट सैन्य अधिकारीस अँट्वारके रोज घटनाके पुष्टि करल बा। सरकार समर्थक फौजसे होडैडाके दक्षिणके हेय्स जिल्लामे शनिच्चर बिहानके समयमे ‘कुछ घण्टासम चलल झडप’ पाछे आक्रमणहे साम्य परना सफल हुइल वहाँक प्रशासन जनैले बा ।

विरोधी पक्षमे कत्रा करलैं कना संख्या नैखुलाके लडाईमे हुथी समूहओर फेन हताहत हुइल सरकारी अधिकारी बटैले बटैं । हुथी विद्रोही सन् २०१५ से सरकारसँग युद्धमे बा। यी द्वन्द्वसे लाखौँ मनैन्के ज्यान लेहल बा ओ यमनमे भारी मानवीय संकट निम्त्याइल बा ।

विद्रोहीसे यमनके राजधानी सानालगायत उत्तरके भारी भाग ओ पश्चिमी रेड सी तटमे रहल होडैडा नियन्त्रणमे ढरल बा कलेसे अन्तर्राष्ट्रियरूपमे मान्यता प्राप्त सरकारसे दक्षिणके भारी भागमे शासन करटि आइल बा ।

दुनु पक्षबिचके लडाई सन् २०२२ मे संयुक्त राष्ट्रसंघसे मध्यस्थता करल युद्धविरामपाछे भारी रूपमे रोकल रहे । शुकसे हुथी विद्रोहीसे एक्कासी साउदी अरबके विमानस्थल ओ महत्वपूर्ण सम्पतिहे लक्षित करना चेतावनी डेहल रहे । साउदी अरब यमनके अन्तर्राष्ट्रिय मान्यता प्राप्त सरकारके प्रमुख समर्थक हो ।

सन् २०१५ पाछे हुथी समूहसे सानालगायत देशके भारी भाग कब्जा कैके सत्ता कब्जा करलपाछे साउदी अरब नेतृत्वके सैन्य गठबन्धनसे यमनमा हुथीविरुद्धके लडाइँमे सहयोग पुगल रहे ।

मल अभावसे...

ओरसे कृषकके माग अनुसार मल पुगाइ नैसेकल बटैलै । बेलौरी नगरपालिकामे चार हजार हेक्टर क्षेत्रफलमे धान, पाँच हजार हेक्टरमे गन्ना खेती तथा दुई सय हेक्टरमे केरा खेती हुइटी आइल बा मने सरकारसे खाद्यान्न बालीमे किल अनुदानके मल उपलब्ध करैना करल ओरसे कृषकहे मल पुगाइ नैसेकल कृषि शाखा प्रमुख जोशी बटैलै ।

१० वडा रहल बेलौरीमे इ बरस ३७० कठठा किल मल आइल ओरसे यहाँके १८ सहकारीहे वितरण करे परलमे समस्या हुइल उहाँके कहाइ रहल बा ।

कृषि सामग्री कम्पनी महेन्नगरके प्रमुख हेमराज जोशी जिल्लामे १५ हजार मेट्रिक टन मल आवश्यक पर्ना हुइलेसे फेन हाल कार्यालयमे आठ हजार मेट्रिक टन मल मौज्दात रहल बटैलै । यहाँके कृषि सहकारीहे कोटा अनुसार मौज्दात मल वितरण आघे बह्दैलेसे फेन माग अनुसार मल आपूर्ति नैहोके समस्या हुइल उहाँ बटैलै ।

घन्टौं लाइन...

करैना सहज होए कहिके काम हुइना करल बा ।

पहिले लम्मा समय लाइन बैठे पर्ना अवस्था रहलमे अब्बे कम समयमे काम सम्पन्न हुइल सेवाग्राही सुरेन्द्र भट्ट बटैलै । लाइन बैठे पर्ना झन्झट हटल ओ सेवा छरितो हुइल सेवाग्राही मीरा न्यौपानेके कहाइ रहल बा । उहाँ आपन काम १० मिनेटमे पूरा होके घर घुमल बटैली । सेवाग्राही प्रजापति विष्ट कर्मचारी नै सेवाग्राहीहे आवश्यक सहजीकरण कैडेना करल बटैलै ।

उहाँ कहलै, “ज्येष्ठ नागरिक, बिरामी, अशक्त, अपाङ्गता रहल व्यक्ति तथा साना बालबालिकासहित अउइया सेवाग्राहीके लाग पिना पानीलगायत आधारभूत सुविधासहितके विश्राम कक्षके व्यवस्था करल बा ।”

“गर्मीयाम संगे बर्खाबुन्डाके दिन सुरुवाट हुइल बा इ बेला साप गोजरके डर रहठ टबमारे अन्धारमे नेगेबेर सबधानी अप्नाइ ।”

बाल संरक्षण गृह सञ्चालन

पहुरा समाचारदाता

नेपालगन्ज, २२ असार । बाँकेके खजुरा गाउँपालिकासे असहाय, अनाथ ओ जोखिममे परल बालबालिकाके संरक्षण ओ व्यवस्थापनके लग बाल संरक्षण गृह सञ्चालनमे ल्यानल बा ।

गाउँपालिका भिटरके अभिभावक विहीन हुइल सडकमे बैठेक पर्ना अवस्थामे रहल बालबालिकाके ओ अवस्था अन्त्य कैना अपन लगानीमे पालिकासे ‘खजुरा बालसंरक्षण गृह’ सञ्चालनमे ल्यानल गाउँपालिका अध्यक्ष डबर बिक बटैलै ।

उहाँके अनुसार हरेक बालबालिकाके सपना, शिक्षा, माया ओ सुरक्षित भविष्यके अधिकार सुनिश्चित कैना स्थानीय सरकारके दायित्व हुइलके इ संरक्षण गृहसे बालबालिकाहे केवल आश्रय किल देना नै हो, उहाँहुकनहे आत्मनिर्भर ओ असल नागरिक बनैना शिक्षा ओ स्वास्थ्य समेत पूर्ण रूपसे सुनिश्चित करल बा । अध्यक्ष बिकसे बालबालिकाके चौतर्फी विकास ओ न्यायपूर्ण वातावरणके लग इ गृह कोशेढुङ्गा सावित हुइना विश्वास व्यक्त करल बटै ।

बालसंरक्षण गृहमे बालबालिकाके लग खैना बैठना व्यवस्थासंग उहाँहुकन चौतर्फी विकासके लग विशेष खाका तयार करल बा ।

बाल संरक्षण गृहमे आश्रित बालबालिकाहे नियमित विद्यालय शिक्षा ओ नियमित स्वास्थ्य परीक्षणके फे उचित प्रबन्ध करके गाउँपालिकाके उपाध्यक्ष मञ्जु मल्ल बटैली ।

उहाँके कहाइ, ‘एउटा बच्चा सुरक्षित ओ शिक्षित हुइना कैके सिङ्गो समाजके भविष्य सुरक्षित हुइना हो, हम्रहिनसे इ गृहमे आश्रय किल नइ, एक ठो असल पारिवारिक वातावरण देना खोजल के हो, यहाँ बालबालिकासे ममता, संस्कार ओ आत्मनिर्भर बनैना शिक्षा पैही ।’ बाल संरक्षण गृहमे बालबालिकाके मानसिक ओ शारीरिक विकासके लग खेलकुद सामग्री ओ पर्याप्त खुला ठाउँके व्यवस्था फे करल बा ।

बाल संरक्षण गृहमे बालबालिकाके लग बैठना, खैना, खेलकुद ओ अनौपचारिक शिक्षासमेत उचित व्यवस्था मिलैना गाउँपालिकाके प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत दिलबहादुर पौडेल बटैलै ।

कठिन परिस्थितिमे गुजरके आइल बालबालिकाहे सामान्य जीवनमे फकैना स्नेहपूर्ण वातावरण ओ भविष्यमे आत्मनिर्भर बनेक लग सीपमूलक शिक्षासमेत व्यवस्था कैना करके गाउँपालिकासे पूर्वाधार ओ व्यवस्थापनके जिम्मा लेना फे इ बालबालिकाहे समाजके मूलधारमे ल्याइना समाजके हरेक वर्गके अपनत्वके आवश्यक पर्ना उहाँके कहाइ बा ।

डढेलो तथा लूबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ,

डढेलोबाट जोगिन

- जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं,
- डढेलो देखिएमा तत्काल सम्बन्धित निकायमा जानकारी गराऔं,

वन जोगाउ र वातावरण संरक्षणमा योगदान दिऔं ।

• गर्मी बढेसँगै तातो हावा (लू) सुरु भएको छ । अतिआवश्यक काम बाहेक घरबाट ननिस्कौं । निस्किने भए छाताको प्रयोग गरौं र बढी झोलिलो पदार्थ र पानीको प्रयोग गरौं ।

कैलारी गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

कैलाली

“लैंगिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार”

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

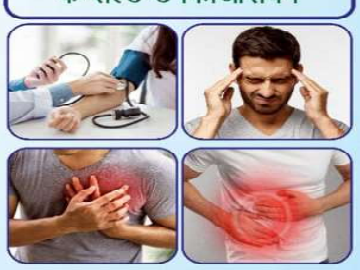

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी

संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

शुक्लाफाँटामे जङ्गल सफारी बन्द

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, २२ असार । शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जमे जङ्गल सफारी बन्द करल बा ।

वर्षायाममे बाढ, हिल्ला ओ प्राकृतिक अवरोधके कारण पर्यटकके सुरक्षा ओ वन्यजन्तुके प्रजननहे दृष्टिगत करटी निकुञ्जमे सफारी बन्द करल बा ।

पर्यटकहे औरे सूचना जारी नैहुइलसमके लग इ सातासे निकुञ्ज प्रवेशमे रोक लगैना निर्णय करल निकुञ्ज कार्यालयके सूचना अधिकारी पुरुषोत्तम वाग्ले बटैलै ।

मौसममे सुधार करटी गैल आगामी असोजमे सफारी खुला करके निकुञ्जके कार्यालयसे जनाइल बा । वाग्लेके अनुसार निकुञ्ज क्षेत्रमे चालु आर्थिक वर्षमे करिब ३८ हजार पर्यटकसे अवलोकन करल रहे । उहाँहुकनहे निकुञ्ज क्षेत्रमे प्राकृतिक ताल तलैया,

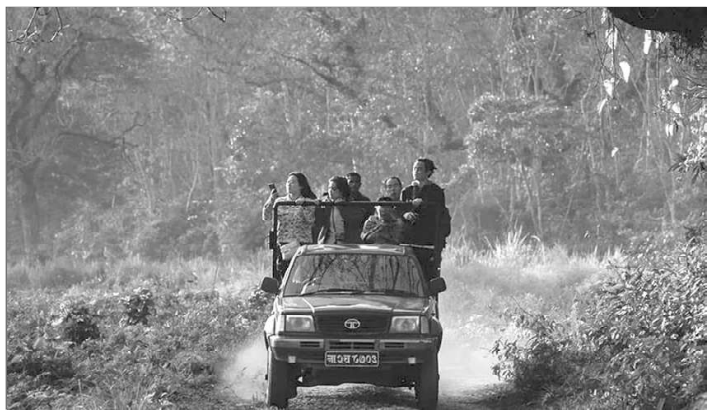

वनस्पति,चराचुरुङ्गीलगायत वन्यजन्तुके दृश्यावलोकन करल रहे ।

चालु आवमे निकुञ्ज क्षेत्रके अवलोकन कैनामे आन्तरिक पर्यटकके सत्त्या अत्यधिक करल बा। कार्यालयके अनुसार एक हजार ३६९ महिला ओ एक हजार ९५६ पुरुष करके तीन हजार ३२५ आन्तरिक पर्यटकसे निकुञ्ज क्षेत्रके अवलोकन करल रहे ।

बाहसिडेके लग प्रसिद्ध इहे राष्ट्रिय निकुञ्जमे पाछे कुछ महिना यहै आन्तरिक ओ बाह्य पर्यटकके सत्त्यामे उल्लेख्य वृद्धि हुइल निकुञ्ज कार्यालयके सूचना अधिकारी वाग्लेके कहाइ बा । निकुञ्ज प्रवेशमे कार्यालयसे आन्तरिक ओ बाह्य पर्यटकके लग छुट्टाछुट्टै प्रवेश शुल्कसमेत उठैटी आइल बा ।

हाल नेपालीके लग एक सय रुपियाँ, सार्क मुलुकके पर्यटकहे ७५० रुपियाँ ओ विदेशी पर्यटकहे एक हजार पाँच सय रुपयाँ प्रवेश शुल्क निर्धारण करल सूचना अधिकारी वाग्ले बटैलै ।

सूचना अधिकारी वाग्ले निकुञ्ज कार्यालयसे टमान शीर्षकमे राजस्वबापत चालु आव २०८२/८३ के जेठ मसान्तसम ८९ लाख ६५ हजार ९०३ रुपयाँ राजस्व सङ्कलन करके फे बटैलै । उहाँके अनुसार निकुञ्ज कार्यालयसे पर्यापर्यटन शुल्कबापत २० लाख १५ हजार ९८४ रुपयाँ रकम प्राप्त करल बा ।

ओस्टेक, दण्डसजायसे १८ लाख ८२ हजार ९६६ रुपयाँ, खरखडाइबापत ११ लाख चार हजार ४३५ रुपयाँ, अन्य शीर्षकसे ३४ लाख ७४ हजार २९ रुपयाँ ओ काठ दाउरा बिक्रीबापत चालु आवके ११ महिनामे ८९ लाख ६५ हजार ९०३ रुपयाँ राजस्व सङ्कलन करल निकुञ्ज कार्यालयसे जनाइल बा ।

दलित समुदायसँग करल प्रतिबद्धता कार्यान्वयनके माग

पहुरा समाचारदाता

काठमाडौं, २२ असार । राष्ट्रियसभाके आजके बैठकके शून्य समयमे सांसदहुकनहे दलित समुदायसंग करल प्रतिबद्धता कार्यान्वयन, सडक सुरक्षा, महङ्गी नियन्त्रण, लैङ्गिक समानता, महिला स्वरोजगार ओ सार्वजनिक यातायात लगायतके विषयमे सरकारके ध्यानाकर्षण करल बटै ।

सांसद पदमबहादुर परियारसे सरकारके १०० बुँदे शासकीय सुधार कार्यक्रमअन्तर्गत दलित समुदायसँग क्षमायाचना कैना ओ सुधारके कार्यक्रम ल्याइना प्रतिबद्धता कार्यान्वयन नैहुइल कहटी सरकारसंग जवाफ माग्ले बटै । सांसद मनरुपा शर्मासे साझके बसमे निलो रङ प्रयोग करल विषयप्रति आपत्ति जनैटी सार्वजनिक सम्पत्तिके पहिचान ओ मौलिकता जगैटी आग्रह करले बटै ।

सांसद रुक्मिणी कोइरालासे लैङ्गिक असमानता, जातीय विभेद ओ श्रम शोषण अन्त्यके लग प्रभावकारी नीति ओ कार्यक्रम कार्यान्वयन कैना सरकारसंग आग्रह करल बटै । सांसद रेणु चन्द बहटी सडक दुर्घटनाप्रति चिन्ता व्यक्त करटी सडक सुरक्षाहे उच्च प्राथमिकतामे राख्ना सरकारके ध्यानाकर्षण करल बटै ।

ओस्टेक, सांसद विष्णुकुमारी सापकोटा महिलाहुकनहे स्वरोजगार बनैना कार्यक्रम प्रभावकारी रूपमे सञ्चालन कैना सरकारसंग माग करल बटै । सांसद विष्णुदेवी पुडासैनीसे ट्राफिक नियम कडाइ करटी सर्वसाधारणसे अनावश्यक सास्ती भोग्टी रहल अवस्था आइ नैदेना आग्रह करटी सडकके खाल्डाखुल्डी ओ असुरक्षित सडक संरचना तत्काल सुधार करेक पर्ना बटैलै ।

सांसद श्रीकृष्णप्रसाद अधिकारीसे बह्रटी महङ्गीके कारण सर्वसाधारणके जनजीवन कष्टकर बन्टी गैल उल्लेख करटी बजार अनुगमनहे प्रभावकारी बनैना सरकारसंग आग्रह करल बटै ।

सांसद सावित्री मल्ल कर्णाली राजमार्गमे बह्रटी सवारी दुर्घटनाप्रति सरकारके ध्यानाकर्षण करटी सडक सुरक्षाके उपाय प्रभावकारी रूपमे लागू करेक पर्ना जोड देलै ।

सांसद विष्णुबहादुर विश्वकर्मा ओ कृष्णबहादुर रोकाय फे समसामयिक विषयमे सरकारके ध्यानाकर्षण करल बटै ।

टिसरा त्रैमासके आर्थिक वृद्धिदर ३.५१ प्रतिशत

पहुरा समाचारदाता

काठमाडौं, २२ असार । चालु आर्थिक वर्षके टिसरा त्रैमासमे आर्थिक वृद्धिदर ३.५१ प्रतिशत रहल राष्ट्रिय तथ्याङ्क कार्यालयसे जनाइल बा । इ दुसरा त्रैमासिकके तुलनामे ०.५८ प्रतिशत बिन्दुसे ढेर बा ।

त्रैमासिक सक्कु गार्हस्थ उत्पादन आधारभूत मूल्यमे गैल आवके दुसर त्रैमासके तुलनामे ३.५१ प्रतिशतसे वृद्धि हुइल कार्यालयके अनुमान बा । चालु आवके टिसरा त्रैमासमे विद्युत् उत्पादन ओ वितरण, निक्षेप संकलन ओ ऋण प्रवाह, निर्जीवन बीमा प्रिमियम कलेक्सन, व्यापार सेवा, लगायतके क्रियाकलापमे वृद्धि हुइटी टिसरा त्रैमासहे सहयोग पुगलके कार्यालयसे जनाइल बा ।

सक्कु १८ ठो औद्योगिक वर्गीकरणमध्ये सार्वजनिक प्रशासन ओ रक्षा ओ औद्योगिक उत्पादन बाहेक अन्य औद्योगिक वर्गीकरणमे धनात्मक वृद्धिदर रहल कार्यालयसे जनाइल बा । चालु आवके टिसरा त्रैमासमे निर्माण सामग्रीके आयात, धान बालीके उत्पादन ओ कुछ वस्तहुकनके घरेलु उत्पादनमे हुइल गिरावटसे इसे त्रैमासिकके वृद्धिदर सामान्य अवस्थामे रहल कार्यालयसे जनाइल बा ।

आर्थिक वर्ष २०८२/८३ के टिसरा त्रैमासिक ओ अघिल्लो आर्थिक वर्ष २०८१/८२ के टिसरा त्रैमासिक अवधिबीच क्षेत्रगत तुलना करटी प्रस्तुत

करल १८ ठो औद्योगिक वर्गीकरण मध्ये १६ ठो कुल मूल्य अभिवृद्धि दर धनात्मक रहल कार्यालयके अनुमान बा ।

उ मध्ये विद्युत ओ ग्यास सम्बन्धित क्रियाकलापके सबसे ढेर वृद्धिदर २४.८८ प्रतिशत रहल बा मने इहे औद्योगिक वर्गीकरणहे पछ्याइटी वित्तीय ओ बीमासम्बन्धी क्रियाकलाप, यातायात ओ भण्डारण ओ थोक ओ खुद्रा व्यापारमे क्रमशः १०. २७ प्रतिशत, ७.८३ प्रतिशत ओ ५.२५ प्रतिशत वृद्धि हुइल प्रारम्भिक अनुमान बा ।

अर्थतन्त्रमे सबसे ढेर योगदान पुगैना कृषि क्षेत्रके वृद्धिदर १.५८ प्रतिशत हुइना प्रारम्भिक अनुमान कार्यालयमे बा । इ अवधिमे अर्थतन्त्रमे सबसे ढेर हिस्सा रहल कृषि, वन ओ मत्स्य क्षेत्रके वृद्धि ०.०४ प्रतिशतसे ऋणात्मक देखल बा ।

ओस्टेक, अर्थतन्त्रमे दुसर ढेर हिस्सा रहल थोक ओ खुद्रा व्यापार २.०२ प्रतिशतसे वृद्धि हुइल देखल बा । धनात्मक वृद्धिदर हुइना १६ ठो औद्योगिक वर्गीकरणमध्ये सबसे ढेर वृद्धिदर विद्युत ओ ग्यासके ६.८७ प्रतिशत ओ इहे क्षेत्रहे पछ्याइटी खानी ओ उत्खनन्के २.२३ ओ थोक ओ खुद्रा व्यापारके २.०२ प्रतिशत रहल बा ।

आवास ओ भोजन, बैंक ओ बीमा ओ औद्योगिक उत्पादन क्रमशः २.३०, १.०७ ओ ०.८३ प्रतिशत ऋणात्मक वृद्धि हुइल देखल बा। बाँकी अन्य औद्योगिक वर्गीकरणके वृद्धिदर सामान्य रहल देखल बा । इहे आर्थिक वर्ष २०८२/८३ के दुसर त्रैमासिकसे उहे आर्थिक वर्षके टिसरा त्रैमासिकमे समग्र अर्थतन्त्रके वृद्धि ०.५८ प्रतिशत हुइल प्रारम्भिक अनुमान कार्यालयमे बा ।

कार्यालयके अनुसार चालु आवके दुसर त्रैमासमे अर्थतन्त्रके आकार ६४ खर्ब २७ अर्ब रहलमे टिसरा त्रैमासमे ६४ खर्ब ६५ अर्ब पुगल अनुमान बा ।

> "लैङ्गिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार"

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरू:
- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

डढेलो तथा लूबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ,

डढेलोबाट जोगिन

- जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं,
- डढेलो देखिएमा तत्काल सम्बन्धित निकायमा जानकारी गराऔं,

वन जोगाउ र वातावरण संरक्षणमा योगदान दिऔं ।

• गर्मी बढेसँगै तातो हावा (लू) सुरु भएको छ । अतिआवश्यक काम बाहेक घरबाट ननिस्कौं । निस्किने भए छाताको प्रयोग गरौं र बढी झोलिलो पदार्थ र पानीको प्रयोग गरौं ।

भजनी नगरपालिका
४ नम्बरको कार्यालय
खैलाड, कैलाली

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)
फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९